

901

801(BA)

2025  
हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 70

सामान्य निर्देश :

- प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों - खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में विभाजित है।
- इस प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिसमें दिये गये चार विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करके ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को अच्छी तरह रंगकर देना है।
- खण्ड 'अ' के बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु नकारात्मक अंकन की व्यवस्था नहीं है। अतः सभी प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास कीजिए।
- ओ.एम.आर. शीट पर उत्तर देने के पश्चात संबंधित गोले को काटे नहीं तथा इरेजर एवं द्वाइटनर का प्रयोग न करें।
- प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।
- खण्ड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गये हैं। इसके लिए कुल 50 अंक निर्धारित हैं।
- खण्ड 'ब' के प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखने का प्रयास कीजिए। जो प्रश्न नहीं आता हो उस पर समय नष्ट मत कीजिए।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देते समय सुन्दर, स्पष्ट एवं पठनीय लेखन पर विशेष ध्यान दीजिए।

खण्ड - 'अ'

20

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

I. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के लेखक हैं :

1

(A) 'निराला'

(B) जयशंकर प्रसाद

(C) रामकृष्ण दास

(D) रामचन्द्र शुक्ल





2. 'प्रेमचंद' का विशेष महत्त्व किस रूप में है ? 1  
 (A) उपन्यासकार  
 (B) निबन्धकार  
 (C) कवि  
 (D) नाटककार
3. 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं : 1  
 (A) बंग महिला  
 (B) प्रेमचंद  
 (C) इंशा अल्लाह खाँ  
 (D) मोहन राकेश
4. निम्नलिखित में से गद्य की एक विधा नहीं है : 1  
 (A) महाकाव्य  
 (B) उपन्यास  
 (C) नाटक  
 (D) एकांकी
5. 'परीक्षा गुरु' उपन्यास के लेखक हैं : 1  
 (A) यशपाल  
 (B) श्रीलाल शुक्ल  
 (C) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद  
 (D) लाला श्रीनिवास दास
6. 'रामचंद्रिका' के रचनाकार हैं : 1  
 (A) देव  
 (B) केशव  
 (C) भूषण  
 (D) मतिराम
7. 'तार सप्तक' में कितने कवियों की रचनाएँ संकलित हैं ? 1  
 (A) चार  
 (B) सात  
 (C) दस  
 (D) सौ
8. 'द्विवेदी युग' नाम किसके नाम पर पड़ा ? 1  
 (A) हजारीप्रसाद द्विवेदी  
 (B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र  
 (C) महावीरप्रसाद द्विवेदी  
 (D) जयशंकर प्रसाद
9. 'कुरुक्षेत्र' के रचनाकार हैं : 1  
 (A) शमशेरबहादुर सिंह  
 (B) वेदव्यास  
 (C) जयशंकर प्रसाद  
 (D) रामधारी सिंह 'दिनकर'

बिहारी ने किस भाषा में काव्य-रचना की ?

1

(A) ब्रज

(B) अवधी

(C) खड़ी बोली

(D) भोजपुरी

11. 'हास्य रस' का स्थायी भाव है :

1

(A) क्रोध

(B) रति

(C) भय

(D) हास

12. 'चौपाई' के प्रत्येक चरण में मात्राएँ होती हैं :

1

(A) 11

(B) 16

(C) 13

(D) 24

13. 'पीपर पात सरिस मन डोला' पंक्ति में अलंकार है :

1

(A) रूपक

(B) उत्प्रेक्षा

(C) उपमा

(D) अनुप्रास

14. 'पंचवटी' में प्रयुक्त समास है :

3

1

(A) द्विगु

(B) कर्मधारय

(C) द्वन्द्व

(D) तत्पुरुष

15. 'गंगा' का पर्यायवाची है :

1

(A) सूर

(B) जलयान

(C) गगन

(D) सुरसरि

16. 'अभिमान' में प्रयुक्त उपसर्ग है :

1

(A) अ

(B) अभि

(C) अप

(D) अनु

17. 'तद्' शब्द की चतुर्थी विभक्ति, एकवचन, पुल्लिङ्ग का रूप होगा :

1

(A) तेन

(B) तौ

(C) तस्मै

(D) तस्य

801(BA)

[ 3 of 8 ]

(W-1)

P.T.O.



18. 'पद-परिचय' की दृष्टि से 'पद' कितने प्रकार के होते हैं ?

- (A) दो  
(C) तीन

- (B) चार  
(D) सात

19. 'कर्तृवाच्य' में प्रधानता होती है :

- (A) क्रिया की  
(C) कर्म की

- (B) कर्ता की  
(D) भाव की

20. भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है :

- (A) शब्द  
(C) पद

- (B) वाक्य  
(D) अक्षर

खण्ड - 'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3 × 2 = 6

दूसरी बात जो इस संबंध में विचारणीय है, वह यह है कि संस्कृति अथवा सामूहिक चेतना ही हमारे देश का प्राण है। इसी नैतिक चेतना के सूत्र से हमारे नगर और ग्राम, हमारे प्रदेश और संप्रदाय, हमारे विभिन्न वर्ग और जातियाँ आपस में बँधी हुई हैं। जहाँ उनमें और सब तरह की विभिन्नताएँ हैं, वहाँ उन सबमें यह एकता है। इसी बात को ठीक तरह से पहचान लेने से बापू ने जनसाधारण को बुद्धिजीवियों के नेतृत्व में क्रांति करने के लिए तत्पर करने के लिए इसी नैतिक चेतना का सहारा लिया था।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।  
(ii) हमारे देश का प्राण क्या है ?  
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है। जिस मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीजों से आनन्द नहीं उठाता, जो उसके पास मौजूद हैं। बल्कि, उन वस्तुओं से दुःख उठाता है, जो दूसरों के पास हैं। वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर दंश मारते रहते हैं। दंश के इस दाह को भोगना कोई अच्छी बात नहीं है। मगर, ईर्ष्यालु मनुष्य करे भी तो क्या ? आदत से लाचार होकर उसे यह वेदना भोगनी पड़ती है। <https://www.upboardonline.com>

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।  
(ii) मनुष्य दुःख क्यों भोगता है ?  
(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।



2. दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3 × 2 = 6

निरगुन कौन देस कौ बासी ?

मधुकर कहि समुझाइ सौंह दै,  
बूझति सांच न हाँसी ॥

को है जनक, कौन है जननी,  
कौन नारि, को दासी ?

कैसो बरन, भेष है कैसो,  
किहिं रस मैं अभिलाषी ?

पावैगौ पुनि कियौ आपनौ,  
जो रे करैगौ गाँसी ।

सुनत मौन है रह्यौ बावरौ,  
सूर सबै मति नासी ॥

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ii) पद्यांश में 'मधुकर' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?
- (iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

इस समाधि में छिपी हुई है,

एक राख की ढेरी ।

जल कर जिसने स्वतंत्रता की,

दिव्य आरती फेरी ॥

यह समाधि, यह लघु समाधि है,

झाँसी की रानी की ।

अंतिम लीलास्थली यही है,

लक्ष्मी मरदानी की ।

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ii) कवयित्री ने किसकी समाधि पर अपनी भावनाएँ व्यक्त की हैं ?
- (iii) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।



3. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते । मानवजीवनं संस्कर्तुम् एषा यथासमयं नवां-नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्तिं च प्राप्नोति । अत्र दुराग्रहः नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति । एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानव-जीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढता चेति ।

अथवा

इयं नगरी विविधधर्माणां संगमस्थली । महात्मा बुद्धः, तीर्थङ्करः पार्श्वनाथः, शङ्कराचार्यः, कबीरः, गोस्वामी तुलसीदासः, अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान् विचारान् प्रासारयन् । न केवलं दर्शने, साहित्ये, धर्मे, अपितु कलाक्षेत्रेऽपि इयं नगरी विविधानां कलानां, शिल्पानाञ्च कृते लोके विश्रुता । अत्रत्याः कौशेयज्ञाटिकाः देशे देशे सर्वत्र स्पृश्यन्ते । <https://www.upboardonline.com>

4. दिए गए संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 3 = 5

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम् ।

वर्षं तद् भारतं नाम भारती तत्र सन्ततिः ॥

अथवा

माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतस्तथा ।

मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात् ॥

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

1 × 3 = 3

- (क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।  
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।
- (ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।  
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
- (ग) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।  
(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर राणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्री कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।  
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
- (ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।  
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।



- (च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
- (छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
- (ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
- (झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रथम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।  
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए।
6. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5  
(i) रामधारी सिंह 'दिनकर' (ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (iii) जयशंकर प्रसाद
- (ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : 3 + 2 = 5  
(i) तुलसीदास (ii) मैथिलीशरण गुप्त (iii) महादेवी वर्मा
7. अपनी पाठ्यपुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2
8. अपने भाई की शादी में आमंत्रित करने हेतु अपने मित्र को पत्र लिखिए। 4  
**अथवा**  
दो दिन का अवकाश लेने हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1 = 2  
(i) चन्द्रशेखरः कः आसीत् ?  
(ii) भूमेः गुरुतरं किम् अस्ति ?  
(iii) पुरुराजः केन सह युद्धम् अकरोत् ?  
(iv) वाराणसी केषां संगमस्थली अस्ति ?
10. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 1 × 7 = 7  
(i) साहित्य और समाज  
(ii) स्वच्छ भारत अभियान  
(iii) लोकतंत्र में मतदान का महत्व  
(iv) मेरा प्रिय कवि  
(v) नारी सशक्तीकरण